**18. डिक्री धारक को धोखा देने के लिए प्रतिवादियों के षड़यन्त्र द्वारा कारित की गयी नुकसानी के लिए वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

अबक ........ वादी

बनाम

कखग ................... प्रतिवादी

ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -

1. यह कि वादी प्रतिवादी सं0 1................ के विरुद्ध तारीख ............. को डिक्री सं0 के निष्पादन के लिए आवेदन किया और कथित प्रतिवादी की फसल, एवं पशुओं की कुर्की का आदेश तारीख को प्राप्त किया गया लेकिन आदेश की इस तारीख के पूर्व प्रतिवादी सं 2 एवं 3 अर्थात्............... तथा ............ .............. के साथ षड्यन्त्र किया और विक्रय एवं क्रय की मिथ्या संव्यवहारों के माध्यम से प्रतिवादी सं 2 प्रतिवादी सं 1 की फसल में फैले आनाज को खरीदा और प्रतिवादी सं 2 ने प्रतिवादी सं 1 के पशुओं यह कि उसकी भैंस, गाय एवं बैलों का क्रय किया और उनके क्रमिक भवनों को उन्हें लाया।
2. यह कि जब अमीन उपर्युक्त माल की कुर्की करने हेतु प्रतिवादी सं 1 को गया तब उसने प्रतिवादी सं 1 के साथ उन्हें नहीं पाया लेकिन प्रतिवादी सं 2 एवं 3 के साथ और इस प्रकार कथित फसल एवं पशु की कुर्की करने में स्वयं को असमर्थ पाकर वह किसी वस्त की कुर्की किये बिना वापस आ गया। प्रतिवादी सं 1 के पास कोई स्वयं की खेती नहीं थी लेकिन उसने प्रत्येक वर्ष कतिपय भूखण्डों के अन्य भूमिधारों से किराया प्राप्त किया और तद्नुसार अब डिक्री का समाधान एकमात्र प्रतिवादी सं 1 से नहीं किया जा सकता है।
3. यह कि प्रतिवादियों के उपर्युक्त षड्यन्त्र के कारण, वादी को निम्नलिखित हानि हुई -
4. कुर्की के लिए न्यायालय में उपगत किये गये खर्च. ...... ...... ...... ......... रुपये . ...... ...... ...... निष्पादन के अधीन डिक्री की रकम . ...... ...... ...... ...... ...... ...... ....... रुपये...... ...... ...... ।
5. यह कि वाद हेतुक उसी समय पैदा हुआ जब प्रतिवादी सं 2 एवं 3 के साथ षड्यन्त्र में कर्क किया जाने के लिए ईप्सित माल का विक्रय कर दिया और न्यायालय मामले का विनिश्चय करने की अधिकारिता रखता है।
6. यह कि वाद का मूल्यांकन न्यायालय में उपगत किये गये खर्च एवं उपर्युक्त डिक्रीत रकम ... ............ रुपये पर किया जाता है और न्यायालय की फीस का संदाय दावाकृत अनुतोष के अनुसार किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी डिक्रीत रकम तथा प्रतिवादियों के षड्यन्त्र के कारण वादी द्वारा खोई गयी, कुर्की कार्यवाही पर किये गये खर्च तथा वाद की तारीख से उसकी अदायगी तक ब्याज ... ... ... ... रुपये के संदाय का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी